

श्रेण्यवाद पुं. (तत्.) यह मत कि श्रेण्य साहित्य की भाषा, शैली का ही अनुकरण होना चाहिए तथा उनमें वर्णित आदर्शों का ही पालन किया जाना चाहिए जैसे- रामराज्य की संकल्पना।

श्रेणी स्त्री. (तत्.) दे. श्रेणी।

श्रेय पुं. (तत्.) 1. कल्याण, मंगल 2. सदाचरण, पुण्य 3. सुख 4. धार्मिक कृत्य 5. यश वि. (तत्.) 1. श्रेष्ठ 2. उपयुक्त 3. मंगलमय, मंगलकारी तुल. प्रेय।

श्रेयमार्ग पुं. (तत्.) मोक्षमार्ग तुल. प्रेयमार्ग।

श्रेयसी वि. (तत्.) कल्याणकारिणी, मंगलमयी।

श्रेयस्कर वि. (तत्.) कल्याणकारी, मंगलकारी, शुभफलदायक।

श्रेयार्थी वि. (तत्.) शुभ फल चाहने वाला, मोक्ष चाहने वाला तु. प्रेयार्थी।

श्रेष्ठ वि. (तत्.) सबसे अच्छा, सर्वोत्तम, उत्तम।

श्रेष्ठता स्त्री. (तत्.) श्रेष्ठ होने का गुण, भाव या स्थिति।

श्रेष्ठत्व पुं. (तत्.) दे. श्रेष्ठता।

श्रेष्ठाश्रम पुं. (तत्.) हिंदू जीवनपद्धति में वर्णित चार आश्रमों-ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास में श्रेष्ठ आश्रम, गृहस्थ आश्रम वि. गृहस्थ ही ब्रह्मचारी, संन्यासी और वानप्रस्थी का पोषण करता है, अतः गृहस्थाश्रम को श्रेष्ठ कहा गया है।

श्रेष्ठिचत्वर पुं. (तत्.) (प्राचीनकाल में प्रयुक्त शब्द) वह चबूतरा या वह स्थान, जहाँ चार मार्ग मिलते हों, और जहाँ व्यापारी लेन देन का व्यवहार करते हो।

श्रेष्ठी पुं. (तत्.) 1. सेठ, धनी, प्रमुख व्यापारी 2. व्यापारी संघ का प्रधान।

श्रोणि स्त्री. (तत्.) 1. कमर के आसपास का भाग, नितंब, कूल्हा, वस्ति, पेड़ू 2. मार्ग, सड़क 3. आयु. नितंब-अस्थि, त्रिकास्थि और अनुत्रिकास्थियों से बनी अस्थिसंरचना जो अधःशाखाओं (जांघ की अस्थियों) पर आधारित होती है तथा जिस पर पृष्ठवंश आधारित होता है। pelvis

श्रोणिका स्त्री. (तत्.) नितंब।

श्रोणिफलक पुं. (तत्.) आयु. कूल्हे की हड्डी। ilium

श्रोणिसूत्र पुं. (तत्.) 1. कमर में बाँधने की रस्सी, करधनी, मेखला, नाड़ा 2. कमर में बाँधा जाने वाला वस्त्र या पट्टा जिसमें तलवार की म्यान बाँधी या लटकाई जाती है।

श्रोणी पुं. (तत्.) दे. श्रोणि।

श्रोत पुं. (तद्.) 1. कर्णेंद्रिय 2. नदी का स्रोत या वेग, नदी का उद्गम स्थान।

श्रोतव्य वि. (तत्.) सुनने योग्य (बात अथवा व्यक्ति), श्रव्य, श्रवणीय।

श्रोता पुं. (तत्.) सुनने वाला।

श्रोतृवर्ग पुं. (तत्.) श्रोताओं का समूह।

श्रोत्र पुं. (तत्.) 1. कान, कर्णेंद्रिय 2. वेद 3. वेदों का ज्ञान।

श्रोत्रपालि स्त्री. (तत्.) कान के बाह्यभाग में नीचे की ओर लटकता मांसल भाग जिसमें कुंडल पहनते हैं।

श्रोत्रमार्ग पुं. (तत्.) कान के मध्यभाग का नली जैसा भाग, कान का वह भाग जहाँ होकर ध्वनि अंदर जाती है, कान।

श्रोत्रिका स्त्री. (तत्.) जीव. 1. कान का बाहरी भाग जिस पर चश्मे की डंडी टिकाई जाती है 2. किसी उपकरण जैसे- स्टेथेस्कोप का कान से संबंधित भाग। ear piece

श्रोत्रिय वि. (तत्.) वेदों और वेदांगों का ज्ञाता पुं. ऐसा ब्राह्मण जो वेद-वेदांगों में पारंगत हो तथा संस्कारयुक्त अध्येता हो। वेदों और धर्मशास्त्रों का ज्ञाता ब्राह्मण।

श्रोत्री वि. (तत्.) दे. श्रोत्रिय।

श्रोण पुं. (तद्.) 1. श्रवण, सुनना 2. श्रवणेंद्रिय 3. शोण या सोन नदी।

श्रोनि स्त्री. (तद्.) दे. श्रोणी।

श्रोनित पुं. (तद्. शोणित) रक्त, खून।

श्रौत वि. (तत्.) 1. कान-संबंधी, कान का 2. वेदों से संबंधित, वेदोक्त, वेद-सम्मत 3. यज्ञ-संबंधी पुं. (तत्.) 1. वेदों के अनुसार होने वाला कृत्य या विधान 2. गार्हपत्य, आहवनीय व दक्षिण ये तीन अग्नियाँ।